वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 79 | शनिवार 13 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में तेज बारिश, सड़कों पर भरा पानी: हनुमानगढ़ में आया बवंडर

जयपुर. कंचन केसरी

दिनभर उमस और गर्मी के बाद शुक्रवार रात को जयपुर में मौसम बदल गया। रात करीब 9 बजे मालवीय नगर, बजाज नगर समेत शहर के कई इलाकों में बारिश शुरू हो गई। बारिश के कारण कई जगह सड़कों पर पानी भर गया। आज दोपहर में हनुमानगढ़ जिले के गांव लालपुरा-गधेली में बवंडर आया। राजस्थान में फिलहाल मानसून का दौर कमजोर पड़ गया है। हालांकि, मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने अगले सप्ताह से प्रदेश में तेज बारिश की संभावना जताई है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, मानसून की ट्रफ लाइन जो बीकानेर, जयपुर से होकर गुजर रही थी, वह आज उत्तरी भारत की तरफ शिफ्ट हो गई। इस कारण अगले दो-तीन राजस्थान में मानसून कमजोर रहने की संभावना है। 16 जुलाई से मानसून ट्रफ लाइन वापस मध्य भारत की तरफ शिफ्ट होने की संभावना है। इसके साथ ही मानसून एक बार फिर से एक्टिव होगा और तेज बारिश का दौर शुरू हो सकता है। इससे पहले, गुरुवार को सीकर, जयपुर, चूरू, झुंझुनूं समेत राज्य के कई शहरों में तेज हवा के साथ बारिश हुई। कोटा, भीलवाड़ा, सिरोही में एक इंच से ज्यादा बरसात दर्ज हुई। वहीं, पश्चिमी राजस्थान के जिलों में कल गर्मी तेज रही और पारा 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। पिछले 24 घंटे में सिरोही, सीकर, जयपुर, झुंझुनूं, चूरू के अलावा जालोर, सिरोही, कोटा, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बीकानेर, बारां, दौसा, चित्तौड़गढ़ और राजसमंद में बारिश हुई।

एशियन-गेम्स में सिल्वर विजेता मानवी-कौशिक ने लगाया गोल्ड पर निशाना

जगतपुरा शूटिंग रेंज में 22वीं स्टेट लेवल चैंपिशनशिप का हो रहा आयोजन; ख्वाहिश ने जीते 3 मेडल

जयपुर. कासं

जयपुर में जगतपुरा शूटिंग रेंज में 22वीं स्टेट लेवल शूटिंग चैम्पियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। जगतपुरा शूटिंग रेंज में 50 मीटर राइफल, 10 मीटर राइफल, 50 मीटर पिस्टल व 10 मीटर पिस्टल व शॉटगन की प्रतियोगिता कराई जा रही है। राजस्थान राइफल एसोसिएशन के वाइस प्रेजीडेंट गिरधर प्रताप सिंह ने बताया कि चैम्पियनशिप में राजस्थान के 5000 से ज्यादा शूटर की एंट्री आई थी। 10 मीटर राइफल व पिस्टल की काफी एंट्री आई है। 50 मीटर राइफल व पिस्टल के मैच फाइनल हो चुके है। शॉटगन के मैच 15 से शुरू होंगे। इसमें जूनियर से लेकर सीनियर आएगें। जोकि काफी रोमांचकारी होता है। क्योंकि ये ओपन मैच होते है। यहां से आगे नेशनल की शुरूआत होती है। एशियन गेम में सिल्वर मेडल जीतने वाली मानवी कौशिक ने 50 मीटर राइफल महिला चैम्पियनशिप में गोल्ड जीता है। ख्वाहिश ने सिल्वर व निशा कंवर ने ब्रॉन्ज जीता है। मानवी कौशिक ने कहा कि उनसे लोगों ने कहा था कि इंटरनेशनल लेवल पर जीतने के बाद स्टेट में क्यों खेल रहे है। वे बोली कि स्टेट लेवल चैम्पियनशिप में भी इंटरनेशनल से कम टक्कर नहीं मिलती है। लगातार प्रैक्टिस से ही आगे बढ़ने का मौका मिलता है। वे डीजे अनिल कौशिक की बेटी है। वे खुद भी अच्छे शूटर है।

उपाध्याय श्री ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज का प्रताप नगर में हुआ चातुर्मास मंगल प्रवेश

भारी लवाजमें के साथ की अगवानी

जयपुर. शाबाश इंडिया। धर्म नगरी जयपुर के दक्षिणी संभाग प्रताप नगर सेक्टर 8 स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज का चातुर्मास हेतु भव्य मंगल प्रवेश शुक्रवार को प्रातः विशाल लवाजमे के साथ हुआ। चतुर्मास समिति मंत्री महेश सेठी ने बताया की उपाध्याय श्री ऊर्जयन्त सागर जी ने आज प्रातः अपनी विहार यात्रा दुगार्पुरा से प्रारंभ की ओर हल्दी घाटी मार्ग प्रताप नगर पहुंचे, वहां प्रताप नगर जैन समाज द्वारा उपाध्याय श्री की मंगल आगवानी की गई और भव्य शोभायात्रा के साथ पूज्य उपाध्याय श्री का चातुर्मास मंगल प्रवेश प्रारंभ हुआ। समिति के संयोजक अतुल मंगल के अनुसार शोभायात्रा में हाथी घोड़े बग्गी ऊट सहित विभिन्न प्रकार के बैंड थे। साथ ही सतरंगी लहरिए में धर्म जागृति महिला मण्डल, विशुद्ध वर्धिनी बहु कला मण्डल पंक्तिबद्ध चल रहे थे। श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन महिला मंडल सदस्य मंगल कलश से सुशोभित थी। मार्ग में पाठशाला के बच्चो द्वारा मंगल वंदना प्रस्तुत की गई। शोभायात्रा मार्ग को स्वागत द्वारो से सजाया गया था। समाज द्वारा व पूज्य उपाध्याय का पाद प्रक्षालन और आरती की गई, श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन युवा मंडल के सदस्यों में मार्ग में उपाध्याय श्री की महामंगल आरती की। वर्षायोग समिति के संयोजक पूरण गंगवाल ने बताया कि शोभायात्रा मंदिर पहुंच धर्म सभा में परिवर्तित हुई, धर्म सभा का शुभारंभ समाज श्रेष्ठि अजीत पारस निर्मल प्रदीप बड़जात्या सवाई माधोपुर द्वारा चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन से किया। जिनेन्द्र गंगवाल जीतू द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया । सुभाष दीपक जैन उनियारा वाले द्वारा उपाध्याय श्री को शास्त्र भेट किया गया। पूज्य उपाध्याय का पादप्रक्षालन प्रकाश पारस गंगवाल चोरू वालो द्वारा किया गया, धर्म सभा को पूज्य उपाध्याय श्री ऊर्जयन्त सागर जी महाराज ने संबोधित किया।

रजिस्ट्री पर स्टॉम्प ड्यूटी नही बढ़ने से भवन निर्माताओं व उपभोक्ताओं को राहत : विकास जैन

जयपुर. शाबाश इंडिया। वित्त मंत्री दीया कुमारी द्वारा बजट 2024-25 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, जयपुर राजस्थान केंद्र के चैयरमेन विकास जैन तिजारिया ने कहा कि यह बजट स्वागत योग्य है। सरकार ने भवनों की रजिस्ट्री पर स्टॉम्प ड्यूटी नहीं बढ़ाकर भवन निर्माताओं व उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाई है। जो कि प्रोपट्री बाजार के लिए शुभ संकेत है। उन्होने यह भी कहा कि और अच्छा तब होता जब भवन निर्माण में आने वाली सामग्री में भी कुछ राहत प्रदान की जाती तो आम उपभोक्ता व भवन निमार्ताओं को राहत महसूस होती। वित्त मंत्री ने जो भी घोषणाएं वर्ष 2047 के विजन के आधार पर रखी है,वह स्वागत योग्य है। उन्होंने यह भी कहा कि भूमि व बजरी की उपलब्धता और प्रदान की जाए,साथ ही भवन में निर्माण के उपयोग में आने वाली मषीनों को भी जीएसटी मे राहत दी जाए तो और भी तेजी से विकास संभव होगा,फिर भी बजट संतुलित व स्वागत योग्य है।

पर्यावरण बचाने का दिया सन्देश

लायंस क्लब ने किया पौधारोपण

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। लायंस क्लब कोटा सेंट्रल द्वारा पौधारोपण फेस - 1 के तहत प्रताप नगर दादाबाड़ी पार्क में पौधारोपण किया गया । क्लब अध्यक्ष मधु ललित बाहेती ने बताया की क्लब पी डी जी विशाल माहेश्वरी के जन्मोत्सव के उपलक्ष में क्लब सदस्यों द्वारा पार्क में 30 छायादार स्थायी पौधों का रोपण किया गया। वृक्षारोपण में रीजन चेयरमैन दिनेश खुवाल, विशाल माहेश्वरी, अशोक लखोटिया, नीलम तापड़िया, आशा माहेश्वरी, रामकृष्ण बागला, राजकुमार गुप्ता, श्याललाल गुप्ता, प्रकाश तापड़िया एवं के जी लाहोटी इत्यादि क्लब सदस्यों ने भाग लिया। नीम, अशोक, आंवला, अमरूद, गुलमोहर जेसे पौधे लगाये गये। क्लब द्वारा फेज 2 में पाटन ग्राम में पौधारोपण किया जाएगा।

हमारा लक्ष्य एक करोड़ वृक्ष मिशन के तहत हुआ 1008 वृक्षों का वृहद वृक्षारोपण

धरती माँ का श्रृंगार सिर्फ और सिर्फ वृक्षों से ही संभव : आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। शुक्रवार का दिन पिड़ावा नगर के लिए पर्यावरण संरक्षण का दिवस रहा। यहां विराजमान तपोभूमि प्रणेता आचार्य श्री प्रज्ञा सागर महाराज की प्रेरणा से सोयत रोड पर स्थित कृषि उपज मंडी परिसर के पीछे वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आचार्य श्री की प्रेरणा से पर्यावरण महामहोत्सव में पिड़ावा नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र से सर्व समाज के लोगों ने साथ मिलकर 1008 वृक्षारोपण किये। सर्वप्रथम सर्व समाज के लोग आचार्य श्री के स्हमारा लक्ष्य एक करोड़ वृक्ष मिशनस् के तहत खंडपूरा स्थित जूना मंदिर में एकत्रित हुए। जहां आचार्य श्री ने प्रवचन करते हुए सभी लोगों को अधिक से अधिक संख्या में वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित करते हुए हमारे जीवन मे वृक्षों के महत्व के बारे में बताया। जिसके बाद बैंड बाजो के साथ आचार्य 108 श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज के सानिध्य में पर्यावरण संरक्षण महाअभियान के अंतर्गत विशाल वृक्ष यात्रा जैन जूना मंदिर से प्रारंभ हुई। जो नगर के सेठान मोहल्ला, शेर मोहल्ला, नाका होते हुए कृषि उपज मंडी पहुंची। विशाल पैदल वृक्ष यात्रा में सभी लोग हाथ में एक-एक पौधे को लेकर चल रहे थे। वृक्ष पैदल यात्रा कृषि उपज मंडी पहुंची। जहां सभी अतिथियों का सकल दिगम्बर जैन समाज की ओर से स्वागत किया गया। इसके बाद आचार्य श्री से प्रेरित होकर पिड़ावा नगर व ग्रामीण क्षेत्र के आमजन ने 50 हजार वृक्षारोपण करने का संकल्प लेते हुए संकल्प पत्र भरा। पर्यावरण संरक्षक तपोभूमि प्रेरणाता आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज की प्रेरणा से पिड़ावा नगर के इतिहास में धरती की हरियाली और घर-घर की खुशहाली के लिए आयोजित पर्यावरण महामहोत्सव का सर्व समाज के सहयोग से वृहद रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आचार्य श्री ने सर्व धर्म सभा को प्रवचन देते हुए बताया कि हम सभी की पहली माँ है जो हमे जन्म देती है, दूसरी माँ है गौ माता, तीसरी माँ है गंगा माता और चौथी माँ है धरती माता।

जैन धर्म का शाश्वत पर्व अष्टानिका महापर्व रविवार से

आठ दिनों तक दिगम्बर जैन मंदिरों में होंगे विशेष धार्मिक आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म का आठ दिवसीय शाश्वत पर्व अष्टानिका महापर्व रविवार, 14 जुलाई से शुरू होगा। इस दौरान दिगम्बर जैन मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना सहित धार्मिक आयोजनों की धूम रहेगी। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार अष्टानिका महापर्व के मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में श्री सिद्ध चक्र महामण्ड़ल विधान पूजा एवं विश्व शांति महायज्ञ, श्री नन्दीश्वर महामण्ड़ल विधान पूजा सहित सायकांल सांस्कृतिक कार्यक्रम किये जायेंगे। आठ दिनों तक धर्म की गंगा बहेगी। रविवार, 14 जुलाई को ध्वजारोहण से अष्टानिका महापर्व का शुभारंभ होगा। रविवार, 21 जुलाई को विश्व शांति महायज्ञ के साथ समापन होगा। जैन के मुताबिक गोपालजी का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर कालाडेरा (महावीर स्वामी), टोडरमल स्मारक, अग्रवाल फार्म स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर थड़ी मार्केट, तारों की कूट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर,शांतिनाथ जी की खोह सहित कई मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होंगे।

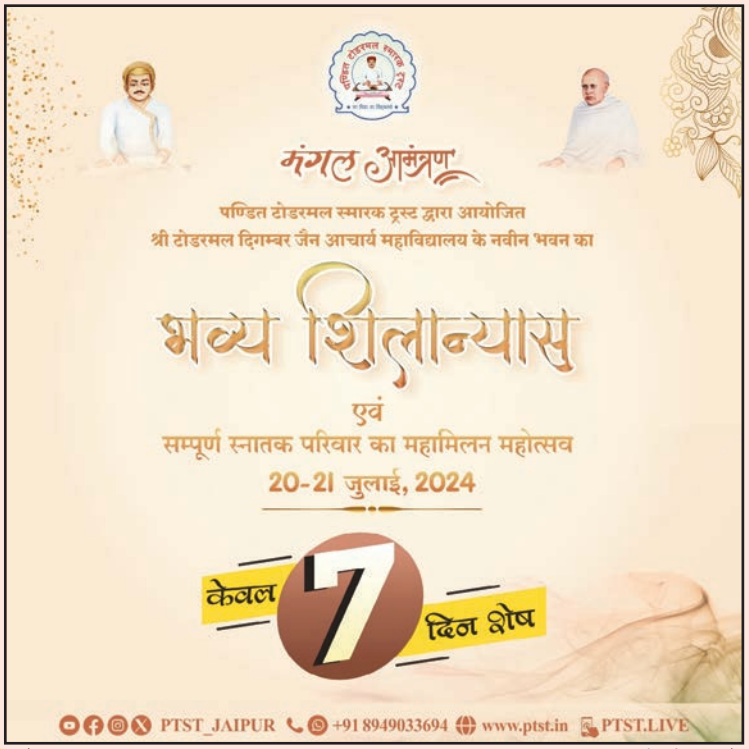

वेद ज्ञान

अपनी खुशी

भीतर की अपनी खुशी, अपनी संतुष्टि ही नैसर्गिक खुशी होती है। इसकी तैयारी भीतर से ही करनी होती है। इस खुशी के रहते हुए कोई बाहर का तत्व हमें दुखी नहीं बना सकता। भीतर की जो वास्तविक खुशी है वह कुएं के पानी के उस अनवरत स्नोत की तरह है जो जमीन के अंदर से आता है। कुएं के पानी की तरह अंदर से निकला खुशी का निर्मल झरना आत्मा, हमारे तन-मन और समूचे जीवन को आनंदित कर देता है। निरंतर बहने वाले इस खुशी के स्नोत को अगर कोई रोकता है तो वह हैं-हमारे मन में बसे सक्रिय दुर्गुण और वासनाएं। हम बाहर से कितने ही अच्छे काम कर लें, लेकिन अगर भीतर से खुश रहने के लिए तैयार नहीं हैं तो अच्छे से अच्छा काम भी यंत्र-वत बनकर रह जाएगा। यदि हम भीतर से खुश रहने के लिए तैयार हैं तो फिर हमारा हर काम अपने आप में अनूठा होगा, आनंददायी होगा। बाहरी खुशी ऊपर रखी टंकी का वह पानी है जो रोज भरा जाता है और रोज टंकी खाली हो जाती है। टंकी में डाला गया पानी इंद्रियों द्वारा भोगे जाने वाले सांसारिक भोग-विलास हैं। इंद्रियां इन्हीं बाहरी पदार्थों से सुख चाहती हैं, लेकिन बाहरी पदार्थ से कभी वास्तविक खुशी न किसी को मिली है न मिलेगी। इन्हें तो रोज भरना खाली होते रहना है। अपनी खुशी दूसरों में खोजने वाले लंबे समय तक जीवन-यात्रा नहीं कर पाते हैं, लेकिन संसार में रहना है तो दूसरों के बिना जीवन कट भी नहीं सकता। सुख मिले या दुख, संबंध तो निभाने पड़ते ही हैं। एक बार अगर हमने अपने भीतर की खुशी को जान लिया है तो खुशी हमारी मुट्ठी में है। हम सभी चाहते हैं कि कैसे भी, किसी भी प्रकार से खुशी मिल जाए। विभिन्न प्रकार के वर्कशॉप, आयोजन, महोत्सव किए जाते हैं, लेकिन खुशी कोई आयातित बाहरी पदार्थ नहीं है। यह तो हमारी मानसिक अवस्था है, हमारी सोच की दिशा है। यही दिशा जब सकारात्मक होती है तो खुशी में बदल जाती है। बाहर से प्राप्त खुशी वास्तविक न होकर अस्थाई रूप से प्राप्त खुशी की प्रतिछाया होगी। उस व्यक्ति या परिस्थिति जिससे हमने यह प्रतिछाया प्राप्त की है, के हटते या अलग होते ही वह खुशी भी हमसे दूर हो जाएगी। स्थाई रूप से खुश रहने के लिए आवश्यक है कि हम अपनी खुशी अपने भीतर ही तलाश करें।

संपादकीय

गरीबी से राहत...

हाल के वर्षों के विभिन्न अनुमानों से यह संकेत मिलता है कि देश में गरीबी के स्तर में काफी कमी आई है। अगर गरीबी के दायरे में आने वाले परिवारों को बचाया जा सका तो परिणाम और बेहतर होंगे। नैशनल काउंसिल फॉर एप्लाइड इकनॉमिक रिसर्च ने इस बारे में एक नया शोध पत्र प्रकाशित किया है जिसमें नागरिकों के लिए सुरक्षा ढांचे को नए सिरे से तैयार करने की बात कही गई है। ''रीथिंकिंग सोशल सेफ्टी नेट्स इन अ चेंजिंग सोसाइटी'' शीर्षक वाले इस शोध पत्र में कहा गया है कि 2011-12 में 21.2 फीसदी से 2022-24 में 8.5 फीसदी तक गरीबी के स्तर में उल्लेखनीय कमी आई है। यह आकलन तेंडुलकर गरीबी रेखा के आधार पर किया गया है। भारत मानव विकास सर्वेक्षण 2004-05, 2011-12 और 2022-23 के आंकड़ों का इस्तेमाल करके शोध पत्र में कहा गया है कि 2024-25 में जिन 8.5 फीसदी लोगों को गरीबों के रूप में चिह्नित किया गया उनमें से 3.2 फीसदी 2011-12 से ही गरीब बने हुए हैं जबकि 2.3 फीसदी लोग नए सिरे से गरीबी के शिकार हुए हैं। अध्ययन में इस बात को रेखांकित किया गया है कि पुरानी गरीबी का स्तर कम हुआ है जबकि अस्थायी गरीबी बढ़ी है। ऐसे मामलों में परिवार समय-समय पर गरीबी के भंवर में गिरते और उससे उबरते रहते हैं। इसमें बार-बार गरीबी के शिकार होने वाले परिवारों को संवेदनशील ठहराते हुए कहा गया है कि गरीबी रेखा और उससे 200 फीसदी ऊपर तक के परिवार इस श्रेणी के हैं। कई अकादमिक अध्ययनों में भी इस बात के प्रचुर प्रमाण मिले हैं जो ऐसी संवेदनशीलता बढ़ाने वाले कारकों को चिह्नित करते हैं। उदाहरण के लिए परिवार में बड़ी संख्या में बच्चों का होना या एक परिवार में आश्रितों की संख्या अथवा भूमिहीनता की स्थिति लोगों के संवेदनशील होने की संभावना बढ़ा देते हैं। हरी झटके मसलन प्राकृतिक आपदा, परिवार का ध्यान रखने वाले मुखिया की बीमारी या उसकी मौत अथवा पेशाजनित अवसरों में कमी भी परिवारों को किसी भी समय गरीबी के दुष्चक्र में उलझा सकती है। देखा तो यह भी गया है कि सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवार मसलन अनुसूचित जाति और जनजाति के परिवार अथवा अल्पसंख्यक समुदाय के परिवार इस तरह के जोखिम में अधिक होते हैं। शोध मे गरीबी की गतिशील प्रकृति को रेखांकित किया गया है और सामाजिक सुरक्षा उपायों को लक्षित करने की मौजूदा व्यवस्था की कमियों को उजागर किया गया है। मौजूदा व्यवस्था गरीबी रेखा के नीचे के संकेतकों पर आधारित है और उसकी अपनी सीमाएं हैं जो इसके असर को कम करती हैं। पहली बात, गरीबी रेखा को लेकर ही काफी बहस है। आलोचक कहते हैं कि गरीबी रेखा की सीमा मनमाने ढंग से तय की गई है जो किसी तरह केवल जीवित रहने से संबंधित है। हालांकि हालिया परिवार खपत व्यय सर्वे के आंकड़े बहस के कुछ पहलुओं का समाधान कर सकते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बेटे की चाह में तीन दिन की जुड़वां बेटियों की हत्या

जिस दौर में अमूमन सभी मोर्चों पर मौका मिलने पर लड़कियां अपने बरक्स या समांतर खड़े लड़कों से खुद को बराबर या बेहतर साबित कर रही हैं, उसमें ऐसी खबर निराशा और दुख से भर देती है कि एक व्यक्ति ने बेटे की चाह में अपनी जुड़वां नवजात बेटियों की हत्या कर दी। इक्कीसवीं सदी का सफर तय करते आधुनिक मूल्यों वाले देश में यह हैरान करने वली घटना लगती है, मगर आज भी ऐसे लोग हैं, जो लड़कियों के खिलाफ इस हद तक संकीर्ण सोच और रवैया रखते हैं। खबर के मुताबिक, बाहरी दिल्ली में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपनी तीन दिन की जुड़वां बेटियों की सिर्फ इसलिए हत्या कर दी, क्योंकि वह बेटा चाहता था। यह कोई दूरदराज के इलाके की नहीं, बल्कि देश की राजधानी दिल्ली की घटना है, जहां माना जाता है कि समाज अपेक्षया आधुनिक मूल्यों के बीच जीता है और लैंगिक बराबरी के साथ-साथ बेटियों की सुरक्षा और उन्हें समान जीवन-स्थितियां मुहैया कराने को लेकर सरकार की ओर से भी अक्सर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाते हैं। आज तकनीक की दुनिया इतनी विस्तृत हो चुकी है कि दूरदराज के इलाके में बैठा व्यक्ति भी यह देख-समझ सकता है कि समाज में निचले स्तर से लेकर उच्च स्तर की पढ़ाई-लिखाई या बेहतर पदों पर नौकरी हासिल करने के मामले में लड़कियां किसी भी तरह से लड़कों से कम नहीं हैं। यों एक सभ्य समाज में समानता के दृष्टिकोण के लिए इस तरह के उदाहरणों की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए, लेकिन जड़ मानसिकता वाले व्यक्ति के लिए ऐसे उदाहरण काम के हो सकते हैं। समाज में लैंगिक बराबरी के हक में लड़ाई के लंबे दौर का हासिल यह रहा है कि आज हर स्तर पर महिलाएं पुरुषों के साथ समांतर खड़ी हैं और जहां भी मौका मिल रहा है, वहां वे अपनी क्षमताएं साबित कर रही हैं। इसके बावजूद अगर बेटे की इच्छा रखने की वजह से बेटी की हत्या की खबर आती है तो यह एक समाज और व्यवस्था की नाकामी का ही सबूत है। देश की सरकारों ने बेटियों को बचाने और पढ़ाने के नारे तो खूब दिए, मगर जमीनी स्तर पर पितृसत्तात्मक दुराग्रहों को खत्म करने को लेकर इतनी गंभीरता नहीं बरती कि सुरक्षा और समानता बेटियों के लिए सहज जीवन का हिस्सा हो।

!! श्री चन्द्रप्रभ स्वामिने नमः !!

मूलनायक श्री 1008 चन्द्रप्रभ भगवान
बरकत नगर, जयपुर

श्री दिगम्बर जैन 1008 चन्द्रप्रभ मंदिर

बरकत नगर, किसान मार्ग, टोंक फाटक, जयपुर (राज.)

णमोकार भवन, अहिंसा पार्क के पास, बरकत नगर में परम पूज्य आचार्य श्री 108 विवेक सागर जी महाराज के परम प्रभावक त्यागी एवं तपस्वी संत मुनि श्री 108 **अर्चित सागर जी महाराज** के पावन सान्निध्य में निरंतरता के कर्म में 15 वां

महापुण्यवर्धक वर्षायोग 2024

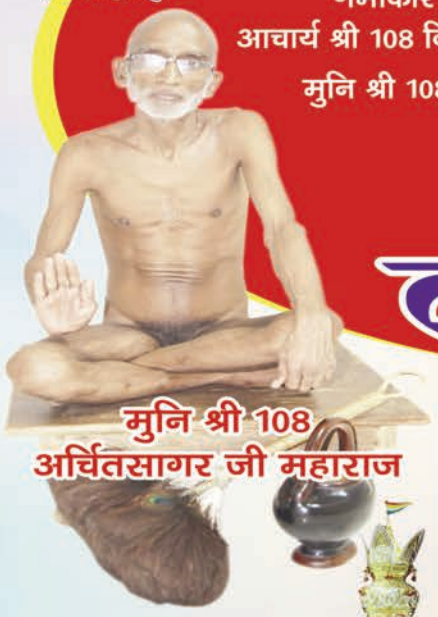

मुनि श्री 108
अर्चितसागर जी महाराज

मंगल कलश स्थापना
गुरू पूर्णिमा
रविवार, 21 जुलाई 2024
प्रातः 8.00 बजे से

चातुर्मास स्थल
णमोकार भवन
किसान मार्ग, अहिंसा पार्क के पास, बरकत नगर, जयपुर

वर्षायोग के मांगलिक कार्यक्रम

रविवार 21 जुलाई 2024	–	गुरु पूर्णिमा, मंगल कलश स्थापना, प्रातः 8 बजे से
सोमवार 22 जुलाई 2024	–	वीर शासन जयंती
रविवार 11 अगस्त 2024	–	भगवान पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक महोत्सव
गुरुवार 15 अगस्त 2024	–	स्वतंत्रता दिवस, सौभाग्य दशमी
रविवार 18 अगस्त 2024	–	कर्म निर्जरा व्रत, सोडषकारण व्रत प्रारंभ
सोमवार 19 अगस्त 2024	–	रक्षा बंधन
रविवार 24 अगस्त 2024	–	चंदन षष्ठी व्रत
मंगलवार 27 अगस्त 2024	–	रोहिणी व्रत
गुरुवार 05 सितम्बर 2024	–	मंदिर स्थापना दिवस
शुक्रवार 06 सितम्बर 2024	–	त्रिलोक रोट तीज व चौबीसी व्रत
रविवार 08 सितम्बर 2024	–	दशलक्षण व्रत प्रारंभ
शुक्रवार 13 सितम्बर 2024	–	सुगंध दशमी
रविवार 15 सितम्बर 2024	–	कर्म निर्झरा तेला
सोमवार 16 सितम्बर 2024	–	रत्नत्रय व्रत
मंगलवार 17 सितम्बर 2024	–	अनन्त चतुर्दशी
बुधवार 18 सितम्बर 2024	–	सोडषकारण व्रत पूर्ण, क्षमावाणी पर्व
गुरुवार 10 अक्टुबर 2024	–	दीक्षा दिवस
शनिवार 12 अक्टुबर 2024	–	दशहरा पर्व
शुक्रवार 01 नवम्बर 2024	–	भगवान महावीर स्वामी निर्वाण दिवस, शुभ दीपावली एवं चातुर्मास निष्ठापन
गुरुवार 14 नवम्बर 2024	–	जन्म जयंती गुरुदेव (मुनि श्री अर्चित सागर जी)

आयोजक –
श्री दिगम्बर जैन 1008 चन्द्रप्रभ मन्दिर प्रबन्ध समिति
टोंक फाटक, बरकत नगर, जयपुर

वात्सल्य आमंत्रण

धर्मानुरागी मान्यवर,
सादर जय-जिनेन्द्र !

अत्यन्त ही हर्षानुभूति युक्त लेख है कि विश्व कीर्तियान की परिकल्पना के परिदृश्य में धर्मनगरी जयपुर के बरकत नगर की पुण्य धरा पर श्रमण संस्कृति की अमिट छाप छोड़ते हुए वर्ष 2010 से निरंतर वर्षायोग सम्पन्न कराने का परम सौभाग्य जैन समाज बरकत नगर को प्राप्त होता आ रहा है।

इसी निरंतरता की पराकाष्ठा को छूते हुए वर्ष 2024 में भी परम पूज्य आचार्य श्रेष्ठ श्री विवेकसागर जी महाराज से दीक्षित महाज्ञानी, परम तपस्वी, छः रसों के त्यागी दिगम्बर संत मुनि श्री 108 अर्चित सागर जी महाराज का पावन वर्षायोग 2024 णमोकार भवन, बरकत नगर में सम्पन्न होने जा रहा है।

धर्म की गंगा में प्रवाहित होने के लिए पुण्यार्जक परिवार, बरकत नगर समाज, अरिहंत महिला मण्डल आप सभी से सविनय आग्रह करता है कि वर्षायोग काल में सम्पन्न होने वाले समस्त कार्यक्रमों में इष्टमित्रों, परिवारजनों, सामाजिक धर्मानुरागियों सहित पधारकर सातिशयपुण्य के साथ धर्मोपार्जन कर अपने जीवन को सफल बनाएं तथा भारत में धर्मध्वजा फहरा कर जैनागम को उत्कृष्टता प्रदान करें।

दैनिक कार्यक्रम

प्रातः 6.30 बजे	– अभिषेक शांतिधारा (मंदिरजी में)
प्रातः 8.30 बजे	– मंगल प्रवचन (णमोकार भवन)
प्रातः 9.30 बजे	– आहार चर्या
मध्यान 3 से 4 बजे	– तत्व चर्चा
सायं 7 बजे	– गुरु भक्ति, आरती
रात्री 9 बजे	– वैया वृति

चातुर्मास पुण्यार्जक परिवार

श्री चक्रेश कुमार जैन
श्रीमती चेतना जैन
C.A. यथेष्ट जैन
इंजि. श्रीमती एवांशी जैन
C.A. श्री चिन्मय जैन

मुख्य संयोजक
सौरभ जैन
चातुर्मास व्यवस्था समिति
9799996500

परम संरक्षक – श्री फूलचंद जैन • संरक्षक – श्री राजेन्द्र कुमार जैन (रिटायर्ड गिरदावर) • समन्वयक – श्री सुभाषचन्द जैन (राजहंस प्रकाशन)

अध्यक्ष	संयुक्त मंत्री	कोषाध्यक्ष	आंतरिक अंकेक्षक	मंत्री
चक्रेश कुमार जैन	मुकेश कुमार जैन (मित्तल)	सतीशचन्द जैन	विमल कुमार जैन	निर्मल कुमार जैन (अलवर वाले)
9829011196	9799058730	9413237164	9929604124	9024111321

सदस्य :– योगेन्द्र कुमार जैन, महावीर प्रसाद जैन (LIC), सुशील कुमार सेठी, प्रदीप कुमार जैन, सौरभ जैन

संयोजक
धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम
सतीश जैन 'अकेला'
9829017551

अरिहंत महिला मण्डल, बरकत नगर, जयपुर • परम संरक्षिका – सरला जैन • अध्यक्ष – मैना कासलीवाल • मंत्री – श्रीमती सुनीला जैन 'बागायत वाले'

निवेदक – सकल दिगम्बर जैन समाज, अरिहंत महिला मंडल, मुनि सेवा समिति, बरकत नगर, जयपुर

सौजन्य से
होटल श्रीनाथ, स्टेशन रोड़, जयपुर
न्यू महालक्ष्मी प्रोपर्टीज, बाहुबली नगर-पत्रकार कॉलोनी, जयपुर
सिद्धान्त कॉम्पलेक्स, आदर्श बाजार, बरकत नगर

*Pragya Institute of Personality Development (200+ Award Winning Faculty & Institute)
Pragya Events * Pragya Tution & Abacus * Pragya Enterptises
Contact No.: +91-9799996500 Siddhant Complex Streat No. 6, Adarsh Bazar, Barkat Nagar, Jaipur - 302015

चित्रांकन : सतीश जैन 'अकेला' 9829017551

धर्मपथ मंगल पावन यात्रा का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा महासभा, प्रताप नगर शाखा द्वारा तीन दिवसीय धर्मपथ मंगल पावन यात्रा का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए संभाग अध्यक्ष अनिल पाटनी ने बताया कि। तीन दिवसीय यात्रा समाजसेवी डॉ राजीव जैन द्वारा हरि झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर। मानसरोवर शाखा के अध्यक्ष अशोक जैन और परम शिरोमणि संरक्षक सतीश कासलीवाल भी उपस्थित रहे। इस दौरान सभी यात्री किशनगढ़ नारेली मिनी पावापुरी, भीनमाल और जीरावाला पारसनाथ के दर्शन करेंगे। यात्रा का संयोजक महावीर जैन , संजय अजमेरा, अशोक बाकलीवाल और संजय शाह को बनाया गया है। यात्रा दल किशनगढ़ में विराजित सुनील सागर महाराज के भी ससंघ दर्शन कर आशीर्वाद लेगा ।

श्रावकों को षट्कर्मों का पालन करना चाहिएः आर्यिका सुप्रज्ञमति माताजी

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे के पार्श्वनाथ चैत्यालय में आचार्य 108 श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ की सुयोग्य शिष्याऐं आर्यिका 105 श्री आराध्यमति माताजी, आर्यिका आकाशमति माताजी, आर्यिका सुप्रज्ञमति माताजी, आर्यिका अनघमति माताजी, क्षुल्लिका सद् दृष्टिमति माताजी ससंघ धर्म की भव्य प्रभावना बढ़ा रही है। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि प्रातः आर्यिका संघ के पावन सानिध्य में श्रीजी का अभिषेक,शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना , करने के बाद आचार्य 108 श्री सुनील सागर जी महाराज एवं पूवार्चार्यों के अर्घ्य अर्पित कर सुख समृद्धि की कामना की गई। कार्यक्रम में आर्यिका सुप्रज्ञमति माताजी ने भरी धर्म सभा में श्रृद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए बताया कि रत्नाकार श्रावकाचार के अन्तर्गत सभी जीव सुख चाहते हैं,जैनागम की गणित सबसे पुरानी है, आर्यभट् एवं पाइथागोरस की गणित भी इनके पीछे है, जीव का उत्थान धर्म के संचय करने से होगा एवं धर्म धारण करने से ही सुख, समृद्धि की प्राप्ति होगी अतः श्रावकों को षट् कर्मो का पालन करना चाहिए।कार्यक्रम में समाज सेवी सोहनलाल झंडा, पंडित संतोष बजाज, पंडित केलास कडीला, शिखर मोदी,रमेश जैन माधोराजपुरा, धर्मचंद पीपलू, महेंद्र बावडी,पारस नला, महेश बावड़ी,त्रिलोक पीपलू, अनिल कठमाना, मुकेश गिन्दौढी, कमलेश चोधरी, ललित मांदी,मीतेश लदाना, विनोद मोदी, राकेश कठमाना,आशिक पीपलू, प्रवीण कडीला,निखिल लावा , राजाबाबू गोधा तथा संतरा चोधरी,उर्मिला नला,रेखा झंडा, विमला मोदी,मधु कलवाडा, मेनका चोधरी, गुणमाला झंडा,नैना बावड़ी, सुरभि कलवाडा, रुचि गोधा, अंजुलता लावा सहित अनेक श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

भव्य जुलूस के साथ महासती उमराव कंवर डॉ. प्रितीसुधा आदि का पंचायती नोहरा में चातुर्मास मंगल प्रवेश हुआ

साध्वी प्रितीसुधा ने सभी को आशीर्वाद प्रदान किए...

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म एवं भगवान महावीर स्वामी के जयकारों के बीच हजारों श्रावक- श्राविकाओं की मौजूदगी में महासती उमराकंवर डॉ.प्रितीसुधा, साध्वी मधुसुधा तपस्वनी संयमसुधा आदि ठाणा 4का शुक्रवार पंचायती नोहरा मुखर्जी चौक मे चातुर्मासिक प्रवेश हुआ। श्री तारकगुरु जैन ग्रंथालय शास्त्री सर्किल से भव्य शोभा यात्रा जय जयकारों के नारों से मुख्य मार्गों को गुंजायमान करते हुए हजारों की तादाद मे श्रावक श्राविकाएं साध्वी वृंद के साथ-साथ चल रहे थे। सबसे आगे जैन श्री युवक परिषद ओर श्रमणविहार परिषद के युवा साथी स्कूटी मोटर साईकिलो पर जैन ध्वज लिये हुये मंगल प्रवेश यात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे। शोभा यात्रा के दौरान आबाल वृध्द नर नारी एवं बच्चों मे उत्साह हर्ष एवं जोश देखने लायक था।प्रवेश के प्रश्चात शोभा यात्रा पंचायती नोहरा मे धर्मसभा के रूप मे परिवर्तित हुई जहां दिवाकर चंद्रिका डॉ संयम लता के आतिथ्य मे महासती उमराकंवर साध्वी प्रितीसुधा का श्रीसंघ के अध्यक्ष सुरेश नागोरी महामंत्री रोशनलाल जैन मंत्री दिनेश हिंगड़, शंकरलाल डांगी,मानसिंह रांका,अनिल पुनमिया,दिनेश चौरड़िया,नंदलाल सेठिया, रमेश खोखावत,अनिल झालोरी,लोकेश मेहता, संदीप बूलिया,प्रकाश सियाल, डॉ.मंजू सिरोया राजस्थान महिला जैन कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षा नीता बाबेल,मंजू पोखरना,लाड़ मेहता,रजनी सिंघवी,सुनीता झामड़ आदि पदाधिकारियों और श्रध्दालुओं ने साध्वी वृंद के प्रवेश पर अगवानी करते हुए अभिनन्दन किया। इस दौरान साध्वी प्रितीसुधा ने सभी को आशीर्वाद प्रदान करतें हुए कहा कि चातुर्मास तभी सार्थक हो सकता है जब आप तप त्याग के साथ जीवन मे धर्म का समावेश कर लोगे तो जीवन मे शांति ओर मानव जीवन को सफल बनाकर संसार के जन्म मरण से मुक्ति प्राप्त कर पाओगे। हिरण मंगरी सेक्टर 4 से पधारी साध्वी डॉ.संयमलता ने फरमाया की मानव जीवन तभी सार्थक बना सकता है जब मनुष्य धर्म और समभाव मे जीवन को व्यतीत करेगा ईसदौरान साध्वी हर्ष प्रभा साध्वी संयमसुधा आदि ने भजन के द्वारा अपने भाव रखे।

मानव तस्करी दुनिया की सबसे बड़ी समस्या

विजय कुमार जैन राघौगढ़ म. प्र.

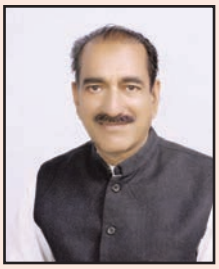

मानव तस्करी एक प्रकार का अपराध है जिसमें किसी मानव को खरीदा और बेचा जाता है खरीदे जाने वाले के बाद उसका इस्तेमाल मुफ्त में आजीवन मजदूरी कराने, उसके शरीर के अंगों को बेचने एवं अन्य लाभ प्राप्त करने हेतु किया जाता है इनमें इंसानों को मुख्य रूप से औरतों और बच्चों को खरीदा और बेचा जाता है। यौन शोषण, देह व्यापार, जबरन मजदूरी, जबरन शादी, घरेलू बेगार करवाना, गोद देना, भीख मंगवाना, अंगों का प्रत्यारोपण करवाना, मादक पदार्थों को एक स्थान से दूसरे स्थान भिजवाने के लिए महिलाओं एवं बच्चों की मानव तस्करी संगठित अपराध है और मानवाधिकार के हनन का सबसे भ्रणित नमूना है। सारी दुनिया में मानव तस्करी गंभीर समस्या है, इस समस्या को जड़ से समाप्त करना संभव ही नही है।हम यह कह सकते है मानव तस्करी रोकने जो प्रयास हो रहे है उनसे यह अपराध कुछ कम हुआ है। हाल ही में एक अमेरिकी एजेंसी ने मानव तस्करी पर जो रिपोर्ट जारी की है उस रिपोर्ट में उल्लेख किया है मानव तस्करी रोकने के उपायों के आधार पर भारत द्वितीय श्रेणी में है। अमेरिका का विदेश मंत्रालय हर वर्ष एंट्री ट्रेफिकिंग रिपोर्ट जारी करता है। उक्त जारी ट्रेफिकिंग इन पर्सन्स रिपोर्ट में भारत में मानव तस्करी रोकने के आधार पर द्वितीय श्रेणी के देश के रूप माना है। भारत सरकार ने अमेरिका के ट्रैफिकिंग विक्टिम्स प्रोटेक्शन एक्ट के न्यूनतम मानदंडों को प्रभावी तरीके से लागू नही कर सकी है।रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया है मानकों के अनुपालन का भारत में प्रयास किया जा रहा है। हम भारत में मानव तस्करी के मामलों की बात करें तो टी आर पी रिपोर्ट के अनुसार भारत में मानव तस्करी के अधिकांश मामले आंतरिक होना पाया गया है। इन मामलों में अधिकांश प्रकरण निचली पिछडी जातियों व धार्मिक अल्प संख्यकों से जुड़े होते है। सबसे ज्यादा खतरा इन जातियाँ पर ही रहता है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में भवन या सड़क निर्माण, स्टील, कपड़ा उधोग, अंडरग्राउंड केबल निर्माण, बिस्कुट एवं नमकीन कारखाने, फूलों की खेती और मछली पालन जैसे उधोगों में डरा धमकाकर जबरन मजदूरी कराने की मानसिकता ने मानव तस्करी ने तीव्र गति से विस्तार लिया है। बेगार बधुआ मजदूरी सहित वेश्यावृत्ति के लिये देश में अवैध रूप से बेरोजगार अथवा जरूरतमंद लोगों को उचित नौकरी या रोजगार के अवसर दिलाने का झांसा देकर वयस्कों बच्चों युवतियों व महिलाओं को अपने जाल में फसाते है। ग्लोबल मारच अगेंस्ट चाइल्ड लेबर एंड ट्रेफिकिंग व्यवसायिक यौन शोषण से छुड़ाये गये 60 प्रतिशत पीड़ितों ने यह स्वीकार किया है कि उन्हौंने उचित रोजगार दिलाने के नाम पर मजबूर किया गया। जारी रिपोर्ट में उल्लेख किया है भारत में मानव तस्करी रोकने शोषण से मुक्ति दिलाने अनेक संस्थायें काम कर रही हैं, विडंबना यह है जिनको तस्करी से मुक्त कराया जाता है उन पीड़ितों को संरक्षण पुनर्वास देखरेख करने की शासकीय सेवाएँ पूरी तरह से सक्रिय नही है अथवा विफल है। भारत में कानून प्रवर्तन में प्रगति की सही जानकारी नही मिल पाती क्योंकि अधिकारी तस्करी रोकने के समुचित व गैर एकीकृत आंकड़े नही देते। रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों में निरीक्षण, अभियोजन या दोष साबित होने बाले मामले शामिल नही किए जाते और आंकड़ों में पीड़ितों की सजा के मामले होते है,जबकि वेश्या वृति के लिये ग्राहक तलाशने व सेक्स तस्करी पीड़ितों को छिपाने में संलिप्तता को आपराधिक कृत्य घोषित करने वाले अनैतिक व्यापार अधिनियम को पूरी क्षमता से लागू नही किया जाता है।भारत में महिलाओं की तस्करी के मुख्य केन्द्र दिल्ली,मुंबई, कोलकाता, गुजरात सहित भारत नेपाल सीमा क्षेत्र है। मानव तस्करी निवारण संरक्षण और पुनर्वास बिल 2018 तत्कालीन महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी के कार्यकाल में बनाया गया है यह कानून सभी प्रकार की मानव तस्करी की जांच उसके निवारण संरक्षण और पीड़ितों को न्याय दिलाने का प्रावधान करता है। इस कानून में यह भी प्रावधान किया है कि किसी व्यक्ति को दूसरे अपराध में 10 वर्ष की सजा हो गई है तो उस व्यक्ति पर यह कानून लागू नहीं होगा। भारतीय दण्ड संहिता की धारा 370 में सेक्स ट्रेफिकिंग के विभिन्न तरीकों का निषेध और सात वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान किया गया है। साथ ही यह भी प्रावधान है मानव तस्करी में सरकारी अधिकारियों की संलिप्तता पायी जाना प्रमाणित होता है तो उसको आपराधिक कृत्य मानते हुए अधिकतम आजीवन कारावास की सजा दी जायेगी। भारतीय दंड संहिता 1860 के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता 2023 को एक जुलाई 24 से लागू किया गया है। पुरानी भारतीय दंड संहिता की धारा 370 के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता में धारा 143 स्थापित की गई है। पुरानी धारा 370 और नई धारा 143 में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। मानव तस्करी रोकने इस कानूनी प्रावधान के अलावा बंधुआ श्रम प्रणाली अधिनियम, बाल श्रम अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम और भारतीय दण्ड संहिता के अन्य प्रावधानों के अन्तर्गत बेगार के विभिन्न तरीकों का निषेध किया गया है।अमेरिका अपने टीवीपीए कानून के न्यूनतम मानकों पर कार्यान्वयन के आधार पर विभिन्न देशों का वर्गीकरण करता है। प्रथम श्रेणी में वे देश आते है जहाँ पर टीवीपीए के न्यूनतम मानकों को पूरी तरह से लागू करते है, जबकि दूसरे स्थान पर वे देश आते है, जो न्यूनतम मानकों को पूरी तरह लागू नही कर पाते, लेकिन प्रयासरत होते है। टीवीपीए न्यूनतम मानकों की व्यापकता के चलते भारत अब तक सफल नही हो पाया है।सारी दुनिया में चल रहे अनेक प्रयासों के वावजूद यह विचारणीय प्रश्न है कैसे रुकेगी मानव तस्करी?

नोटः- लेखक वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से....

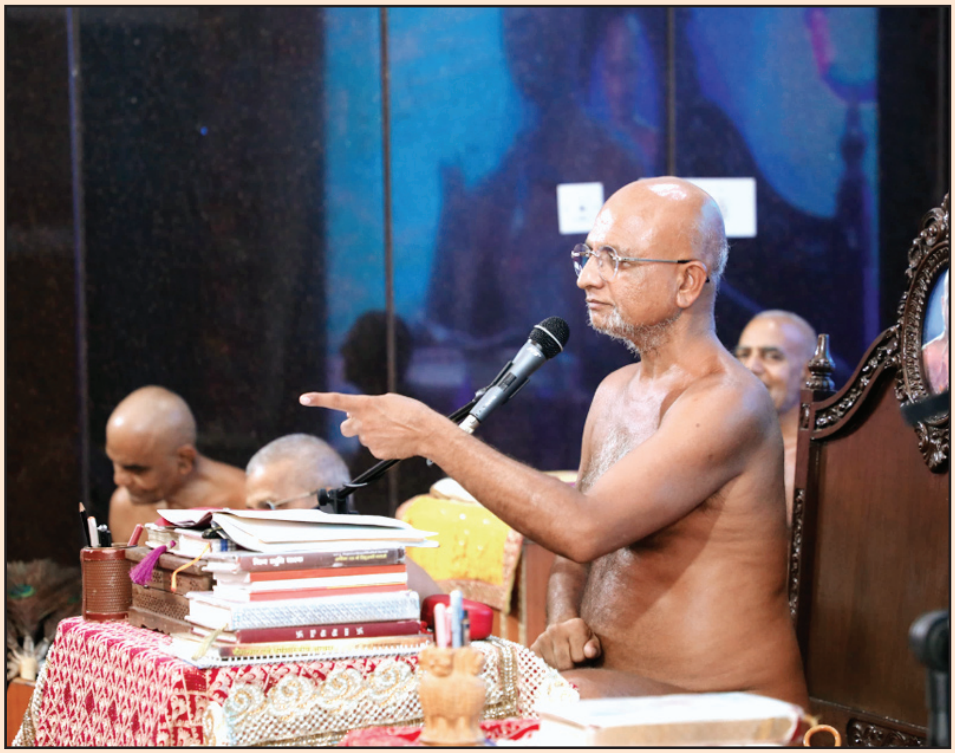

जहां पेड़ और पानी हो..
वहाँ हरियाली अपने आप आ आती है..!

जीवन भी ऐसा ही है। जहाँ मन की शान्ति, चेहरे की प्रसन्नता और हृदय की पवित्रता हो, वहाँ जीवन में अपने आप शान्ति आ जाती है। इसलिये जीने का एक पवित्र उद्देश्य होना चाहिए। जीवन की एक मंजिल व लक्ष्य होना चाहिए। तभी जिन्दगी के कोई मायने हैं। अभी तो तुम्हारी स्थिति है -- कि सोमवार को जन्म लिया, मंगलवार को बड़े हुए, बुधवार को शादी की, गुरुवार को बच्चे हुए, शुक्रवार को बीमार पड़े, शनिवार को अस्पताल में दाखिल हुए और रविवार को चल बसे। बस यही तुम्हारी जिन्दगी का एक चित्र है। पर ध्यान रखना, यह जिंदगी का विकृत और सबसे ज्यादा अभद्र चित्र है। इस चित्र में कोई खूबसूरती नहीं है। जिन्दगी के चित्र में चरित्र की खूबसूरती आना चाहिए। फूलों का सार इत्र है, और जीवन का सार चरित्र है। जिसने इत्र बटोर लिया उसने ज्ञान पा लिया, और जिसने चरित्र बटोर लिया उसने भेद विज्ञान पा लिया। पैदा हुए और वैसे ही मर गए तो दुनिया में आने का औचित्य ही क्या हुआ- ? जिंदगी में धर्म ध्यान की किरण होनी चाहिए, मैत्री प्रेम और सद्भाव के फूल तथा परमात्मा एवं सत्य के फल जीवन के वृक्ष पर आना चाहिए। क्योंकि पौ- जन्म है, प्रभात-बचपन, दोपहर- जवानी, शाम- बुढ़ापा और रात- मृत्यु है। रात जीवन की कहानी का उपसंहार है, विराम है, पटाक्षेप है।

नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

इन्दोर में पौधारोपण अभियान में संत रामपाल जी महाराज के अनुयायियों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

इंदौर. शाबाश इंडिया

मध्यप्रदेश के जिला इन्दोर में चल रहे 51 लाख पौधरोपण अभियान के अंतर्गत रविवार को बीएसएफ, बिजासन क्षेत्र में पौधे लगाए गए। एक पौधा माँ के नामस्त इस अभियान में भारी संख्या में संत रामपाल जी महाराज के अनुयायियों ने भी हिस्सा लिया । उन्होंने अपने गुरु देव दुवारा चलाये जा रहे सामाजिक हित के कार्यक्रम ,जैसे कि दहेज मुक्त भारत और रक्तदान, के साथ-साथ इस पर्यावरण संरक्षण के कार्य मे भी हिस्सा लिया। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ समाज मे सकारात्मक बदलाव लाना ओर आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ व स्वस्थ पर्यावरण देना है। इस कार्यक्रम को ओर भी सफल बनाने के लिए एक रैली आयोजित की गई जिससे पूर्ण परमात्मा कबीर साहेब ओर संत रामपाल जी महाराज के नारों के साथ उनके अनुयायियों ने भाग लिया। इस रैली ओर नारो ने कार्यक्रम में जोश और उत्साह का संचार और भी प्रभावशाली बन गया। कमल सिंह लोधा की रिपोर्ट

अहार जी में आचार्य श्री विराग सागर महाराज को अर्पित की विनयांजलि

मुकेश जैन लार. शाबाश इंडिया

टीकमगढ़। निकटवर्ति श्री 1008 दिगंबर जैन सिद्ध अहार जी में परमपूज्य भारत गौरव राष्ट्रसंत बुंदेलखंड के प्रथमाचार्य गणाचार्य आचार्य भगवन श्री 108 विराग सागर जी महाराज की समाधि की स्मृति में प्रबंधकारिणी,ट्रष्ट समिति एवं छात्रावास परिवार के संयुक्त आयोजन में भावपूर्ण विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसका प्रारंभ छात्रावास के छात्र समर जैन ने मंगलाचरण कर उपस्थित विद्वानों ने आचार्य श्री के चित्र अनावरण एवं क्षेत्रीय समिति ने दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।तत्पश्चात क्षेत्रीय अध्यक्ष महेन्द्र सिंघई बड़ागांव, महामंत्री राजकुमार जैन पठा ने विनयांजलि देते हुए अपने भाव प्रकट किये,साथ ही छात्रावास के छात्र वीरा जैन और क्षेत्रीय समाज द्वारा आचार्य श्री के संस्मरणों को याद करके अपने भाव प्रकट करते हुये विनयांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का संचालन पंडित संतोष कुमार जैन गुंडगाव द्वारा किया गया। विनयांजलि सभा में क्षेत्र के अध्यक्ष महामंत्री कोषाध्यक्ष ब्र. संजय जैन कोठिया एवं छात्रावास के छात्रों के साथ विद्यालय संयोजक महेंद्र कुमार जैन, प्राचार्य सिद्धांत जैन कोठिया,रिषभ कुमार जैन अंकित जैन अधीक्षक सौरभ जैन कमलकुमार जैन, रतनचंद जैन प्रबंधक वीरेंद्र जैन,संतोष जैन राजेश जैन पंडित चक्रेश जैन मुकेश जैन सुबोध जैन ने विनयांजलि दी एवं आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज को स्मरण किया।

आर्यिका सरस्वती माता जी का संघ सहित सनावद नगर में प्रवेश

अष्टान्हिका महापर्व में होगा सिद्धचक्र महामंडल विधान

सनावद. शाबाश इंडिया। पूज्य आर्यिका सरस्वती माता जी ने सिद्धवरकूट से विहार कर संघ सहित शुक्रवार को नगर में प्रवेश किया। श्रद्धालुओं ने रेलवे फाटक पहुँचकर गाजे बाजे के साथ संघ की अगवानी की। संघ में आर्यिका अनंतमती एवं आर्यिका महोत्सव मती माताजी है। आर्यिका संघ ने सभी जैन मंदिरों में जिन देव के दर्शन किये। श्रद्धालुओं द्वारा जगह-जगह पर पाद प्रच्छालन किया गया। मुनि त्यागी समिति के अध्यक्ष मुकेश जैन, सलित जैन, प्रफुल्ल जैन, प्रदीप पंचोलिया, सोनू जैन, हेमेन्द्र जैन, सन्मति काका, राहुल स्वस्तिक, प्रियंका पंचोलिया, गरिमा जैन, तरिशी जैन, प्रज्ञा जैन, अंशुमा जैन, वर्षा जैन, महिमा जैन मौजूद थे।

श्रीमती वीर बाला-श्री निर्मल अजमेरा

को वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

13 जुलाई 2024

Happy Anniversary

शुभेच्छु:

मनी कुमार, ज्ञानचन्द, पारस-मोना, ऋषभ, अनुप्रेक्षा, शुभम, निमिषा, निश्चल

एवं समस्त सोगानी परिवार सांगानेर

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आकर्षक स्कूल बैग पाकर बच्चे हुए खुश

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, लायन मधु पाटनी,श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति अजमेर की सदस्याओं के सहयोग से तीर्थराज पुष्कर के पास गनहेड़ा में संचालित मड़ला स्कूल जहा अधिकांश बच्चे स्लम एरिया से शिक्षा के साथ संस्कार ग्रहण करने के लिए आते है को आकर्षक स्कूल बैग भेंट किए गए क्लब की सेवा पाकर बच्चे बहुत खुश नजर आए। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के संयोजन में तीस बच्चो के लिए बैम्स विद्यालय के संचालक बुद्धिप्रकाश एवम शिक्षिका डिंपल शर्मा को दिए जिन्हे बच्चो के मध्य वितरण किए गए। विद्यालय के व्यवस्थापक बुद्धिप्रकाश ने सेवा सहयोगियों के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि समय समय पर उपहार पाकर बच्चे शिक्षा की ओर ध्यान केंद्रित कर रहे है।

कमलानगर जैन मंदिर में घटयात्रा के साथ शुरू हुआ दस दिवसीय श्री सिद्धचक्र विधान

आगरा. शाबाश इंडिया। निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज एवं मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं सकल दिगंबर जैन समाज ग्रेटर कमला नगर आगरा के तत्वावधान में आगरा के कमला नगर स्थित डी ब्लॉक के श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन शुरू हो गया है। भव्य घटयात्रा एवं श्रीजी की शोभायात्रा के साथ 12 से 21 जुलाई के मध्य दस दिवसीय विधान की शुरूआत हुई।जिसमें बड़ी संख्या में सौभाग्यवती महिलाएं इस घटयात्रा में शामिल हुईं। जहां महिलाएं अपने शीश पर मंगल कलश लिए शोभायमान थीं तो वहीं बैंड बाजों के साथ 400 श्रावक भी श्रीजी की प्रतिमा को रथ पर विराजमान कर इस घटयात्रा में चल रहे थे। यह घटयात्रा श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर कमला नगर से मंदिर की परिक्रमा करते हुए श्री राम चौक होते हुए श्रीजी के साथ मंदिर जी पहुचींघटयात्रा एवं श्रीजी का भक्तों ने जगह- जगह भव्य स्वागत कियोविधान पुण्यार्जक सी ए विजय गोयल रश्मि गोयल सी ए विवेक गोयल राधिका गोयल परिवार एवं वीरेंद्र जैन वंदना जैन अंशुल जैन परिवार द्वारा किया जा रहा हैघटयात्रा एव श्रीजी की रथयात्रा में सौधर्म इंद्र,यज्ञनायक,कुबेर इंद्र, महेंद्र इंद्र,ईशान इंद्र,सनत कुमार इंद्र,के स्वरूप बगियों में सवार थे।

आर्यिका पूर्णमति माताजी के चातुर्मास के लिए मुरार आगमन पर निकाली भव्य नगर प्रवेश शोभायात्रा

ग्वालियर. शाबाश इंडिया। पूज्य आर्यिका पूर्णमति माताजी का चातुर्मास हेतु मुरार में भव्य नगर प्रवेश हुआ। शुक्रवार को प्रातः 5:30 बजे थाटीपुर स्थित गुलाबचंद की बगीची से माताजी की मंगल प्रवेश शोभायात्रा गाजे-बाजों के साथ निकाली गई, जो मुरार के विभिन्न मार्गों से होती हुई जैन मंदिर पहुंची। यहां माताजी ने भगवान के दर्शन किए। तत्पश्चात शोभायात्रा मुख्य बाजार होती हुई चेक सेंटर स्थित जैन धर्मशाला पहुंची। शोभायात्रा के सबसे आगे घोड़े चल रहे थे। बैंड एवं ढोल की धुन पर जैन भजनों के साथ विभिन्न संगठनों की महिलाएं एवं पुरुष अपनी-अपनी टीम के साथ नृत्य करते हुए चल रहे थे।

जगह-जगह लोगों ने पलक पावड़े बिछाते हुए उतारी आरती

शोभायात्रा में माताजी की आगवानी के लिए जगह-जगह लोगों ने पलक पावड़े बिछाए। आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी ललित जैन ने बताया कि शोभायात्रा में सड़क के दोनों ओर लोग अपने-अपने घरों के दरवाजे पर आरती की थाली लिए खड़े थे और माताजी का पाद प्रक्षालन एवं आरती उतारने के लिए उत्सुक थे।

रास्ते भर बनाई गई रंगोली

शोभायात्रा थाटीपुर से प्रारम्भ होकर मुरार के बाजारों में भ्रमण करते हुए लगभग 3 किलोमीटर का रास्ता तय किया। इस दौरान माताजी के स्वागत हेतु दमोह तेंदूखेड़ा से आये कारीगरों ने जगह-जगह रंगोली बनाई। शोभायात्रा के मार्ग में चारों ओर भक्तों का उल्लास और भक्ति भावना देखने को मिली। शोभायात्रा के दौरान सड़क किनारे लगे मंच पर जैन किड्स स्कूल के बच्चे माताजी के स्वागत में नृत्य कर रहे थे, जिसे देख माताजी ने अपने आशीर्वाद दिया। शोभायात्रा जैन धर्मशाला पहुंची, धर्मसभा का शुभारंभ भगवान महावीर के चित्र का अनावरण पारस जैन सर्राफ, सकल जैन पंचायत के अध्यक्ष पारस जैन एवं अनिल जैन द्वारा किया गया। दीप प्रज्वलित अभिषेक जैन और विनीता जैन ने किया।

चार्टर डे पर फेलोशिप नाईट का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के 'चार्टर डे' के अवसर पर आयोजित फैलोशिप नाइट "Dance and Dine Gala" का आयोजन किया गया । सभी क्लब रोटेरियन ने कार्य दिवस होने के बावजूद बड़ी संख्या में भाग लिया। क्लब अध्यक्ष अनिल जैन ने सभी को रोटरी क्लब नार्थ के बारे में जानकारी प्रेषित की, कैसे रोटरी धार्मिक, सामाजिक और मनोरंजन कार्यक्रम करके सभी को एक साथ लेकर चलता है। आगामी किये जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी भी प्रेषित की। नये जुड़ने वाले सभी रोटेरियनस का माला पहनाकर स्वागत किया। क्लब सह सचिव तरुण जैन ने बताया की सभी क्लब सदस्यों ने कार्यक्रम का जमकर आनंद लिया, डी जे पर जमकर डांस किया, और लजीज खाने का लुत्फ लिया। रोटेरियन पीआरओ श्रीमती सुनीता जैन ने पधारे हुए सभी रोटेरिन्स और मेहमानों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

हवामहल विधायक ने किया ईजेड केपिटल फाइनेंस प्रा.लि. के ऑफिस का उद्घाटन

जयपुर. शाबाश इंडिया

वैशाली नगर, नर्सरी सर्किल स्थित जगदंबा टॉवर में शुक्रवार को ईजेड केपिटल फाइनेंस प्रा.लि. के रीजनल ऑफिस का उद्घाटन हुआ। कंपनी प्रोपर्टी लोन के क्षेत्र में काम करेगी। कंपनी के सीईओ राजेश कटोच ने बताया कि हवामहल विधायक स्वामी बालमुकंदाचार्य महाराज ने फीता काट और दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि विधायक ने इस अवसर पर कहा कि प्रोपर्टी लोन के क्षेत्र में कंपनी अच्छा काम करते हुए एक कीर्तिमान स्थापित करे ऐसा आशीर्वाद है। कंपनी के आरसीएम पंकज कुमार सोनी ने बताया कि ईजेड केपिटल फाइनेंस प्रा.लि. का मुख्य कार्यालय दिल्ली और जालंधर में है। राजस्थान में रीजनल कार्यालय के रूप में आज पहले ऑफिस का उद्घाटन हुआ है जबकि, ब्रांच कार्यालय प्रदेश में पहले से कई स्थानों पर खुले हैं। इस अवसर पर कंपनी के सीईओ राजेश कटोच, आरसीएम पंकज कुमार सोनी, अमित कुशवाहा, दीपक कुमावत एवम ताराचंद कुमावत सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे।

ज्ञानतीर्थ पर लॉयन्स क्लब एलीट ने किया वृक्षारोपण

साँसों का कर्ज चुकाना है, मिलकर पेड़ लगाना है

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। जैन तीर्थक्षेत्र ज्ञानतीर्थ पर आज एक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लॉयन्स क्लब मुरैना एलीट के सदस्यों ने विभिन्न प्रकार के फल, फूल और औषधियों के 51 पौधों का रोपण किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण को स्वस्थ बनाना और समाज में हरियाली को बढ़ावा देना था। वृक्षारोपण के उपरांत सभी उपस्थित लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई थी। लॉयन्स क्लब एलीट की अध्यक्ष, लॉयन भारती मोदी ने वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण से न केवल हमें शुद्ध ऑक्सीजन मिलती है, बल्कि यह पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने में भी मदद करता है। लॉयन्स क्लब मुरैना एलीट ने इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और आने वाले समय में और भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प लिया।

राजवंश पब्लिक स्कूल में यूनिफार्म का नि :शुल्क वितरण किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजवंश पब्लिक स्कूल की निदेशक श्रीमती सीता चौहान ने बताया कि आज स्कूल में महेन्द्र सेठी एवं श्रीमती इन्दु जैन के द्वारा कुशल विचक्षण संस्कार धाम (जैन छात्रावास) के जो छात्र राजवंश पब्लिक स्कूल में अध्ययन कर रहे है उन सभी छात्रो को स्कूल यूनिफार्म का नि :शुल्क वितरण किया गया । इस अवसर पर विद्यालय सचिव अनिमेष चौहान तथा आकांक्षा चौहान भी उपस्थित रहें ।कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य नवल जैन ने पधारे सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।